२१ नवम्बर २०२३ दिनांक को केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी

कार्यपालक निदेशक

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष

श्री दिनेश कुमार खारा देश के सबसे बड़े बैंक- भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष हैं। परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में 1984 में बैंक में शामिल होने के पश्चात्, उन्हें बैंकिंग के सभी क्षेत्रों का समृद्ध अनुभव है। बैंक के अध्यक्ष के रूप में पद ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने कई अतिमहत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया जैसे प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग और अनुषंगियां), प्रबंध निदेशक (सहयोगी और अनुषंगियां), प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसबीआई म्यूचुअल फंड) और मुख्य महाप्रबंधक- भोपाल मंडल। उन्हें एक विदेशी कार्यभार के लिए शिकागो में भी पदस्थापित किया गया था। प्रबंध निदेशक के रूप में, उन्होंने बैंक की अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह, बड़े कॉर्पोरेट और ट्रेजरी संचालन सहित गैर-बैंकिंग सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई कार्ड्स, एसबीआईएमएफ, एसबीआई लाइफ, एसबीआई जनरल आदि का नेतृत्व किया। उन्होंने एसबीआई के साथ पांच पूर्व सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक के विलय को भी निर्बाध रूप से निष्पादित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विभिन्न समयों पर बैंक के जोखिम, आईटी और अनुपालन कार्यों का भी नेतृत्व किया।

श्री खारा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से वाणिज्य में स्नातकोत्तर और एफएमएस, नई दिल्ली से एमबीए हैं। वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के फेलो हैं। श्री खारा अध्ययन में गहरी रुचि रखते हैं। वे सभी भारतीयों के लिए बैंकिंग को सरल बनाने और बैंक वित्त को आसानी से सुलभ कराने के लिए वैश्लेषिकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी, प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने जनवरी 2020 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक का कार्य भार ग्रहण किया। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी के प्रमुख हैं। वर्तमान कार्यभार से पहले श्री शेट्टी बैंक के रिटेल एवं डिजिटल संविभाग का नेतृत्व कर रहे थे। वे भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न कार्यबलों/समितियों के भी अध्यक्ष रहे।

कृषि विज्ञान में स्नातक और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर के सर्टिफाइड एसोशिएट श्री शेट्टी ने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में अपना कॅरियर वर्ष 1988 में शुरू किया। तीन दशकों के अपने कॅरिअर में उन्हें कॉरपोरेट ऋण, रिटेल, डिजिटल एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग तथा विकसित बाज़ारों के बैंकिंग का समृद्ध अनुभव है।

श्री शेट्टी ने उप प्रबंध निदेशक तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह, कॉरपोरेट लेखा समूह के मुख्य महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक, मिड कॉरपोरेट समूह के उप महाप्रबंधक तथा एसबीआई, न्यू यार्क शाखा के वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रमुख (सिंडिकेशन) सहित भारतीय स्टेट बैंक के प्रमुख कार्य संभाला।

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियां)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी करियर बैंकर हैं, जिन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में वर्ष 1991 में अपना करियर शुरू किया एवं भारत और विदेश में विभिन्न पदों पर बैंक के साथ तीन दशक से अधिक समय बिताया है।

वर्तमान में 21.11.2023 से, वे भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियां) एवं पूर्णकालिक निदेशक हैं और बैंक के सहयोगियों एवं अनुषंगियों के साथ-साथ बैंक के बड़े कॉरपोरेट और वाणिज्यिक ऋण व्यवसाय का कार्य संभाल रहे हैं। इसमें क्रेडिट कार्ड, म्यूचुअल फंड, जीवन एवं सामान्य बीमा, कैपिटल मार्केट, कस्टोडियल सेवाएं आदि जैसे गैर-बैंकिंग व्यवसाय आदि शामिल हैं और इन सभी कंपनियों के बोर्डों में कार्यरत हैं।

इस कार्यभार से पहले वे जून 2022 से प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह) थे। वहाँ वे बैंक में जलवायु जोखिम प्रबंधन को चलाने और बैंक की तनावग्रस्त संपत्ति रणनीति को आकार देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। उससे पूर्व जनवरी 2021 वे प्रबंध निदेशक थे, जो अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और गैर-बैंक सहायक कंपनियों को संभालते थे। एसबीआई के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नवोन्मेषण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसबीआई में प्रबंध निदेशक बनने से पहले, उन्होंने एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में कार्य किया जहां उन्होने जीपे, पेटीएम, बीपीसीएल आदि के साथ की गई महत्वपूर्ण भागीदारियों का पर्यवेक्षण किया और कोविड अवधि के तुरंत बाद की अवधि के दौरान कंपनी का संचालन किया।

इससे पहले, वे अप्रैल 2017 से जुलाई 2020 तक भारतीय स्टेट बैंक के यूएस परिचालनों के कंट्री हेड रहे। इससे पहले वे भारतीय हांग कांग में रहते हुए स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख एवं महाप्रबंधक, ईस्ट एशिया रहे।

इन वर्षों में आपने उप महाप्रबंधक (परिचालन एवं सूचना प्रणाली), अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, मुंबई, भारतीय स्टेट बैंक के नकदी प्रबंधन के प्रमुख, क्षेत्रीय प्रबंधक, शाखा प्रमुख सहित भारतीय स्टेट बैंक में अन्य नेतृत्व पद उन्होंने संभाला।

इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त श्री तिवारी भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित एसोशिएट, प्रमाणित वित्तीय आयोजक हैं तथा उन्होंने एक्सएलआरआई से प्रबंधन का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया।

श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री आलोक कुमार चौधरी 07 जून 2022 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक हैं।

श्री चौधरी ने वर्ष 1987 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर आरंभ किया तथा उन्होंने रिटेल बैंकिंग, वाणिज्यिक बैंकिंग, एमएसएमई, कृषि एवं ग्रामीण व्यवसाय, शाखा प्रबंधन, मानव संसाधन एवं वित्त जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है। वे एक अनुभवी बैंकर हैं, जिन्हें शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों, आंचलिक कार्यालयों, स्थानीय प्रधान कार्यालय एवं कॉरपोरेट केंद्र स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का 36 वर्षों से अधिक का लंबा अनुभव है।

वर्तमान में श्री चौधरी भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक हैं और नवम्बर 2023 से जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह के पोर्टफोलियो को संभाल रहे हैं। उससे पूर्व, वे बैंक के प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन) रहे। प्रबंध निदेशक पद पर पदोन्नति से पूर्व श्री चौधरी बैंक के वित्त वर्टिकल के प्रमुख के रूप में उप प्रबंध निदेशक (वित्त) पद पर थे, जहाँ उन्होंने कार्यनीतिक योजना एवं बजट बनाने, महत्वपूर्ण व्यवसाय एवं कार्यनीतिक निर्णयों का निष्पादन विश्लेषण करने, पूँजी नियोजन एवं पूँजी संग्रहण, निवेशक संबंध, वित्तीय रिपोर्टिंग, लेखापरीक्षण, आस्ति एवं देयता प्रबंधन एवं बैलेंस शीट प्रबंधन करना जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

उन्होंने बैंक के मानव संसाधन वर्टिकल का भी नेतृत्व किया है एवं कई जटिल एवं नवोन्मेषी पहल भी किए। वे एसबीआई फाउंडेशन एवं एसबीआई इंफ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड सदस्य भी रहे हैं। बैंक के उप प्रबंध निदेशक एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी के रूप में, वे भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य संवहनीयता अधिकारी भी थे।

उससे पहले, उन्होंने वर्ष 2016 में बैंक के दिल्ली मंडल का भी नेतृत्व किया जहाँ रहते हुए उन्होंने सहयोगी बैंक शाखाओं के विलय का कार्यान्वयन किया तथा उन शाखाओं के ग्राहकों, व्यवसाय मिश्र, वृद्धि एवं कार्य संस्कृति के संबद्ध बदलाव प्रक्रिया का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया, जिसके परिणामस्वरूप व्यवसाय एवं लाभ में बढ़ोतरी हुई।

श्री चौधरी विज्ञान के स्नातक हैं तथा उनके पास ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर डिग्री भी है। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के प्रमाणित एसोसिएट हैं तथा उन्होंने आईआईएम लखनऊ एवं आईएसबी हैदराबाद में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों / संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सहभागिता की है। उन्होंने सिलिकॉन वैली, अमेरिका में ग्लोबल एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम में भी सहभागिता की है।

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री विनय एम. तोन्से ने 21.11.2023 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यापार और परिचालन) का कार्यभार संभाला है। उन्होंने सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बैंगलोर से बी.कॉम और बैंगलोर विश्वविद्यालय से वाणिज्य में मास्टर किया है।

श्री तोन्से ने 1988 में एसबीआई में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने भारत और विदेशों में विभिन्न भौगोलिक स्थानों में विविध व्यावसायिक कार्यों का नेतृत्व किया है। उन्हें बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट क्रेडिट, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, ट्रेजरी संचालन, इक्विटी पोर्टफोलियो प्रबंधन, खुदरा बैंकिंग और प्रशिक्षण, कृषि और ग्रामीण बैंकिंग को संभालने और प्रबंधित करने का गहरा अनुभव है।

श्री तोन्से एसबीआई म्यूचुअल फंड्स में प्रबंध निदेशक और सीईओ (जून 2020 से दिसंबर 2022) के रूप में भी प्रतिनियुक्ति पर थे। एसबीआई म्यूचुअल फंड लगभग 18% बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी है।

इससे पहले, वह मुख्य महाप्रबंधक (जून 2018 से जून 2020) के रूप में एसबीआई के चेन्नई मंडल का नेतृत्व कर रहे थे। उनके पास तमिलनाडु और पुद्दुचेरी स्थित एसबीआई के 15,000 स्टाफ सदस्यों और 1260 शाखाओं और कार्यालयों के नेटवर्क के प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी थी।

एसबीआई में श्री श्तोन्से की कुछ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निम्नानुसार हैं:

- हैदराबाद में शीर्ष स्तरीय स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज में संकाय सदस्य
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसबीआई ओसाका शाखा, जापान (अगस्त 2009 से जून 2013)
- उप महाप्रबंधक, इक्विटी और कमोडिटीज (विश्व बाजार), कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई (जून 2013 से नवंबर 2016)
- महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट लेखा समूह, शाखा बीकेसी, मुंबई (नवंबर 2016 से जून 2018)
- उप प्रबंध निदेशक, कॉर्पोरेट लेखा समूह, भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई

गैर-कार्यपालक निदेशक

डॉ. विवेक जोशी

डॉ. विवेक जोशी 15 नवंबर 2022 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम 1955 की धारा 19(ई) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं।

डॉ. जोशी 1989 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में शामिल हुए। उन्होंने ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट जिनेवा (स्विट्जरलैंड) से अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र में पीएचडी की है तथा उन्होंने प्रोफेसर रिचर्ड बाल्डविन के मार्गदर्शन में डॉक्टरेट की उपाधि पूरी की। वे रुड़की विश्वविद्यालय (अब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की) के पूर्व छात्र भी हैं, जहां उन्होंने 1987 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई किया।

डॉ विवेक जोशी वर्तमान में 1 नवंबर, 2022 से भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवारत हैं। इस कार्य में डॉ जोशी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों, वित्तीय समावेशन और पेंशन सुधारों सहित बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित नीतियों, योजनाओं और कानूनों से संबंधित दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। वे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड में सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।

इस पद से पूर्व, वे लगभग चार वर्षों तक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त, भारत के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने हरियाणा सरकार के साथ प्रधान सचिव, निगरानी और समन्वय, सीईओ, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, गुरुग्राम; मुख्य प्रशासक, हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण (टीएफएएच), नई दिल्ली; निदेशक स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान, पंचकुला के रूप में भी कार्य किया है। इन प्रभारों से पूर्व उन्होंने सदस्य सचिव, पांचवें राज्य वित्त आयोग और हरियाणा राज्य में डिवीजनल कमिश्नर अंबाला (2017-2018) के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं। 2014-2017 के दौरान, उन्होंने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया, जहां उनकी जिम्मेदारियों में सार्वजनिक खरीद नीति निर्धारण में सरकार को परामर्श देना शामिल था। वे अर्थव्यवस्था के कुछ प्रमुख क्षेत्रों जैसे सड़क और राजमार्ग, शहरी विकास, यूआईडीएएल अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और रेलवे में सार्वजनिक वित्त पोषित परियोजनाओं और योजनाओं के मूल्यांकन में भी शामिल रहे। उन्होंने स्वच्छ भारत के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सरकार द्वारा गठित सार्वजनिक कोष स्वच्छ भारत कोष (एसबीके) के पहले प्रशासक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने महिला और बाल विकास मंत्रालय (2010-2014) में भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है, जहाँ बाल अधिकार और बाल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने अपना योगदान दिया।

उन्होंने वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार (2001-2006) में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है, जहां उन्होंने डब्ल्यूटीओ से संबंधित वस्त्र मामलों, विशेष रूप से गैर-कृषि बाजार पहुंच (एनएएमए) और वस्त्र और कपड़ा (एटीसी) वार्ताओं, जूट और कपास क्षेत्र से जुड़े समझौतों में मंत्रालय के सलाहकार रहे। उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार समझौता वार्ताओं, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौते (साफ्टा) और भारत श्रीलंका एफटीए से संबंधित मामलों में भी हिस्सा लिया।

इसके अतिरिक्त, वह हरियाणा राज्य में उपायुक्त, संयुक्त सचिव वित्त और ट्रेजरी के निदेशक रहे हैं।

श्री अजय कुमार

श्री अजय कुमार 14 जुलाई 2023 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं।

श्री कुमार वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद पर हैं और मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, परिसर विभाग, राजभाषा विभाग और केंद्रीय सुरक्षा प्रकोष्ठ की देखरेख करते हैं। ईडी के रूप में पदभार संभालने से पहले, वह क्षेत्रीय निदेशक के रूप में आरबीआई के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय का नेतृत्व कर रहे थे। इससे पहले, उन्होंने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में आरबीआई नामित निदेशक के रूप में कार्य किया है।

श्री कुमार ने अर्थशास्त्र में परास्नातक और बैंकिंग में एमएस किया है। वह इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट एंड रिसर्च, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो से कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम किया है और भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सहित अन्य पेशेवर योग्यता रखते हैं।

श्री कुमार दिसंबर, 1991 में भारतीय रिज़र्व बैंक में शामिल हुए और उन्हें बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और मुद्रा प्रबंधन के क्षेत्रों में विभिन्न क्षमताओं में कार्य करने का 32 वर्षों का व्यापक अनुभव है।

सीए. केतन एस विकमसी

सीए. केतन एस विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (पूर्ववर्ती खिमजी कुंवरजी एंड कंपनी एलएलपी) में वरिष्ठ भागीदार हैं, इस फर्म की स्थापना 1936 में हुई थी। उनकी योग्यताओं में आइसीएआइ का

आइएफआरएस सर्टिफिकेशन; आइसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआइएसए) में डिप्लोमा; और आइडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल है। वे भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान के साथ एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पंजीकृत हैं।

उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण प्रतिष्ठानों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखापरीक्षा के क्षेत्रों में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, आइसीएआइ की क्षेत्रीय परिषदों, आइसीएआइ, भारतीय रिज़र्व बैंक, सीएजी व कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष रहे हैं। वे विपश्यना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के बीच 150 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में उनकी गहरी रुचि है और उन्हें नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करना पसंद है।

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री मृगांक एम परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। एक प्रसिद्ध पूंजी एवं कमोडिटी बाजार विशेषज्ञ के होने के साथ वे सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष एवं ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक हैं।

उन्हें विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी और कमोडिटी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन विनिमय और प्रतिभूति सेवाओं में 33 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वह MC3 (www.mcquebe.in) के प्रबंध भागीदार के रूप में अपने परामर्श अभ्यास का नेतृत्व करते हैं। पहले वे एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे और उससे पहले वे भारत के पहले सूचीबद्ध एवं अग्रणी कमोडिटी एक्सचेंज- मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे हैं। उनके सिंगापुर और भारत में बिभिन्न वित्तीय सहायता संस्थाओं जैसे ड्यूश बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, डबल्यू आई सीएआरआर सिक्यूरिटिज, आईएनजी बैरिंग्स और सिटीबैंक आदि में कई सफल कार्यकाल रहे है।

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री राजेश कुमार दुबे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे

भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। वे वर्ष 1988 में एक सीधी भर्ती के माध्यम से अधिकारी के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम में शामिल हुए एवं फरवरी 2024 में कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री है। भारतीय जीवन बीमा निगम में 36 वर्षों की सेवा के दौरान, श्री दुबे को भारत और विदेश (यूके) में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने प्रारंभिक अवधि में शाखाओं में व्यक्तिगत और समूह व्यवसाय दोनों में सामान्य प्रशासन, ग्राहक सेवा और विपणन में काम करने का अनुभव प्राप्त किया है। फिर वह चार साल तक एलआईसी के यूके कार्यालय में प्रबंधक (विक्रय) के रूप में तैनात रहे और उसके बाद मुंबई और बेंगलुरु में निगम के मंडल कार्यालयों के प्रभारी रहे ।

सूचना प्रौद्योगिकी, नव व्यवसाय, इंटरनेशनल ऑपरेशंस, पर्सनल/एडमिनिस्ट्रेशन, सीआरएम, मार्केटिंग। यूलिप, ईआर-अनुशासन और कार्मिक में विभिन्न विभागों में अनुभव के उपरांत, श्री दुबे ने 22 अप्रैल 2021 को कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) की भूमिका एक विशेषज्ञ पद है जो संगठन के भीतर जनशक्ति नियोजन, प्लेसमेंट, मूल्यांकन, अनुशासन और कर्मचारी एवं औद्योगिक संबंधों आदि के विकास को सुनिश्चित करता है। आईटी, सीआरएम, यूलिप और कार्मिक में अपने कार्यों के दौरान, उन्होंने विभिन्न प्रक्रियाओं को कागज रहित बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में अपनी टीमों का मार्गदर्शन किया, जिससे अधिकृत कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की अनुमति मिली; और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में। उन्होंने निजी क्लाउड पर यूलिप प्रशासन के केंद्रीकरण, "प्रौद्योगिकी के एकीकरण (यूडीआईटी) के माध्यम से उन्नत अनुशासनात्मक वर्कफ़्लो" के विकास और कार्यान्वयन और एचआरएमएस के कार्यान्वयन के लिए विक्रेता चयन प्रक्रिया को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने आईआईएम, आईएसबी, एनआईए और सीएएफआरएएल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है, सीआईआई, यूके से "वित्तीय योजना प्रमाणपत्र" हासिल किया है और केएसएफसी और टीएफसीआई के बोर्ड पर नामित निदेशक के रूप में भी काम किया है।

सीए. धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

सीए. धर्मेन्द्र सिंह शेखावत भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे वाणिज्य में स्नातक हैं और पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं। वह सितंबर 2002 से मेसर्स डीएस शेखावत एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के मुख्य भागीदार हैं और ठाकुर जसवंत सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

उनके पास लेखांकन, लेखा परीक्षा, वित्त, अर्थशास्त्र, विधि, मानव संसाधन, जोखिम और व्यवसाय प्रबंधन, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 20 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव और ज्ञान प्राप्त है।

उन्होंने 22.09.2017 से 21.09.2020 तक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में काम किया है और आईओसीएल के बोर्ड की ऑडिट समिति के अध्यक्ष भी रहे ।

सीए. प्रफुल्ल पी छाजेड

सीए. प्रफुल्ल पी छाजेड भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 21 दिसंबर 2021 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो और प्रैक्टिसिंग सदस्य और सीपीए (ऑस्ट्रेलिया) के सदस्य हैं। उन्होंने एलएलबी (जनरल) किया है तथा फॉरेंसिक अकाउंटिंग एंड फ्रॉड डिटेक्शन और सर्टिफिकेट ऑन बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) पर आईसीएआई प्रमाणन किया है।

वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (2019-20) के अध्यक्ष थे और आईसीएआई के डब्ल्यूआईआरसी (2007-08) के भी अध्यक्ष रहे हैं। वे कन्फेडरेशन ऑफ एशिया एंड पैसिफिक अकाउंटेंट्स (सीएपीए), मलेशिया (2023-2025) के अध्यक्ष हैं। वे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमसीएक्ससीसीएल) के अध्यक्ष और कुछ अन्य कंपनियों के बोर्ड सदस्य भी हैं। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी), न्यूयॉर्क के प्रोफेशनल अकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य थे। वे मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य थे।

अतीत में, उन्होंने बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) में एक स्वतंत्र निदेशक और सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आईसीएआई अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन में निदेशक, आईसीएआई के भारतीय दिवाला पेशेवर संस्थान में निदेशक, आईसीएआई पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता संगठन में निदेशक, एक्सटेंसिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) इंडिया में निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी) द्वारा गठित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अकाउंटेंट्स 2022 की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी (पी) लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने एसएएफए, आईएफएसी एसएमपी समिति, सीए वर्ल्डवाइड, एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में कार्य किया है। उन्होंने व्यापक रूप से दुनिया भर की यात्रा की है और भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सेमिनारों और सम्मेलनों को संबोधित किया है।

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्रीमती स्वाति गुप्ता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 08 मई 2023 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। उनके पास एल.एल.बी. की उपाधि भी है एवं उन्होने भारतीय प्रबंधन संस्थान से कॉर्पोरेट नेताओं के लिए उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम किया है।

उनके पास प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 2012-2017 तक दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निगम पार्षद और पूर्वी दिल्ली नगर निगम की जोनल चेयरमेन निर्वाचित हुई थीं। उन्हें 2017-2022 के दौरान शिक्षा समिति, एमसीडी का सदस्य नामित किया गया था। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। दिल्ली में वह एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। उन्हें महिलाओं, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता मुद्दों के मामलों का बृहत अनुभव प्राप्त है।

xxxxxxxxx